2025
हिन्दी
केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 70

सामान्य निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों – खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में विभाजित है।

(iv) इस प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके सही उत्तर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट कलम से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला कर चिह्नित करें।

(v) खण्ड 'अ' के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें।

(vi) ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेज़र अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें।

(vii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।

(viii) खण्ड 'ब' में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं।

(ix) खण्ड 'ब' के सभी प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखने का प्रयास कीजिए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

खण्ड – 'अ'
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

20

1. 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक हैं : **1**

UPBoardHub

(A) प्रेमचन्द
(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) महावीरप्रसाद द्विवेदी

2. 'निर्मला' किस विधा की रचना है ? **1**

(A) निबन्ध
(B) उपन्यास
(C) जीवनी
(D) आत्मकथा

3. 'पंचपात्र' के लेखक हैं : **1**

(A) जयशंकर प्रसाद
(B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
(D) जयप्रकाश भारती

4. 'हिमालय की पुकार' के लेखक हैं : **1**

(A) जयशंकर प्रसाद
(B) भगवतशरण उपाध्याय
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(D) जयप्रकाश भारती

5. 'सेवासदन' के लेखक हैं : **1**

(A) रामकुमार वर्मा
(B) जगदीशचंद्र माथुर
(C) मुंशी प्रेमचंद
(D) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

6. 'रीतिकाल' के कवि हैं : **1**

(A) नागार्जुन
(B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) महावीरप्रसाद द्विवेदी
(D) मतिराम

7. 'दूसरा सप्तक' प्रकाशित हुआ : **1**

(A) सन् 1943 ई० में
(B) सन् 1951 ई० में
(C) सन् 1959 ई० में
(D) सन् 1979 ई० में

8. 'नीहार' के रचनाकार हैं : **1**

(A) महादेवी वर्मा
(B) धर्मवीर भारती
(C) रामनरेश त्रिपाठी
(D) श्यामनारायण पाण्डेय

9. 'पुष्प की अभिलाषा' शीर्षक कविता किस काव्य-संग्रह से ली गई है ? **1**

(A) यामा
(B) युगचरण
(C) साकेत
(D) रश्मिरथी

10. 'छायावाद युग' की मुख्य विशेषता है : **1**

(A) युद्धों का सजीव वर्णन
(B) भक्ति की प्रधानता
(C) यथार्थ चित्रण
(D) प्रकृति का मानवीकरण

11. 'करुण' रस का स्थायी भाव है : **1**

(A) रति
(B) हास
(C) शोक
(D) निर्वेद

12. जहाँ उपमेय को उपमान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है, वहाँ कौन-सा अलंकार होगा ? **1**

(A) उपमा अलंकार
(B) रूपक अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) अनुप्रास अलंकार

13. 'सोरठा' किस प्रकार का छन्द है ? **1**

(A) अर्द्ध-सम मात्रिक छंद
(B) सममात्रिक छंद
(C) विषममात्रिक छंद
(D) इनमें से कोई नहीं

14. 'निर्गुण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है : **1**

(A) नि
(B) गुण
(C) नीर
(D) निर्

15. 'नीलकमल' में कौन-सा समास है ? **1**

(A) द्विगु समास
(B) कर्मधारय समास
(C) तत्पुरुष समास
(D) बहुव्रीहि समास

16. 'देव नदी' का पर्यायवाची शब्द है : **1**

(A) यमुना
(B) सरयू
(C) गंगा
(D) सरस्वती

17. 'युष्मभिः' शब्द में विभक्ति एवं वचन है : **1**

(A) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
(B) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन
(C) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
(D) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

18. विकारी पद कितने प्रकार के होते हैं ? **1**

(A) दो
(B) तीन
(C) आठ
(D) चार

19. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं ? **1**

(A) दो
(B) आठ
(C) चार
(D) पाँच

20. 'आदर्श से गाया नहीं जाता।' इसमें कौन-सा वाच्य होगा ? **1**

(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) इनमें से कोई नहीं

खण्ड – 'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

50

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 + 2 = 6**

हमलोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं, जिसे जो जिस रूप का चाहे, उस रूप का करे–चाहे राक्षस बनावे, चाहे देवता। ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है, जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के हैं, क्योंकि हमें उनकी हर एक बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है। पर ऐसे लोगों के साथ करना और बुरा है, जो हमारी ही बात को

ऊपर रखते हैं; क्योंकि ऐसी दशा में न तो हमारे ऊपर कोई दबाव रहता है और न हमारे लिए कोई सहारा रहता है। दोनों अवस्थाओं में जिस बात का भय रहता है, उसका पता युवा पुरुषों को प्राय: बहुत कम रहता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) किन लोगों की संगत करना हमारे लिए बुरा है ?

अथवा

अभी चंद्रमा के लिए अनेक उड़ानें होंगी। दूसरे ग्रहों के लिए मानवरहित यान छोड़े जा रहे हैं। अंतरिक्ष में परिक्रमा करनेवाला स्टेशन स्थापित करने की दिशा में तेजी से प्रयत्न किये जा रहे हैं। ऐसा स्टेशन बन जाने पर ब्रह्माण्ड के रहस्यों की पर्तें खोलने में काफी सहायता मिलेगी। यह पृथ्वी मानव के लिए पालने के समान है, वह हमेशा-हमेशा के लिए इसकी परिधि में बँधा हुआ नहीं रह सकता। अज्ञात की खोज में वह कहाँ तक पहुँचेगा, कौन कह सकता है ?

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) अंतरिक्ष में स्टेशन बन जाने से किसमें सहायता मिलेगी ?

2. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 + 2 = 6**

काम कुसुप धनु सायक लीन्हे।
सकल भुवन अपने बस कीन्हे।।
देबि तजिअ संसउ अस जानी।
भंजब धनुषु राम सुनु रानी।।
सखी बचन सुनि भै प्रतीती।
मिटा बिषादु बढ़ी अति प्रीती।।
तब समहिं बिलोकि बैदेही।
सभय हृदयँ बिनवति जेहि तेही।।
मनहीं मन मनावक अकुलानी।
होहु प्रसन्न महेस भवानी।।

करहु सफल आपनि सेवकाई।
करि हितु हरु चाप गुरुआई।।
गननायक बरदायक देवा।
आज लगे कीन्हउँ तुअ सेवा।।
बार-बार बिनती सुनि मोरी।
करहु चाप गुरुता अति थोरी।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) पद्यांश में सीताजी का सशंकित मन श्रीराम से विवाह के लिए देवताओं से किस प्रकार विनती कर रहा है ?

अथवा

इससे भी सुंदर समाधियाँ,
हम जग में हैं पाते।
उनकी गाथा पर निशीथ में,
क्षुद्र जंतु ही गाते।।
पर कवियों की अमर गिरा में,
इसकी अमिट कहानी।
स्नेह और श्रद्धा से गाती
है, वीरों की बानी।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'निशीथ' एवं 'गिरा' शब्द के अर्थ लिखिए।

3. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 3 = 5**

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते ।मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति ।अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति ।एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानव जीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चेति ।

अथवा

(स्थानम्–अलक्षेन्द्रस्य सैन्य शिविरम् । अलक्षेन्द्रः आम्भीकः च आसीनौ वर्तेते ।वन्दिनं पुरुराजम् अग्रे कृत्वा एकतः प्रविशति यवन-सेनापतिः ।)
सेनापतिः – विजयतां सम्राट् ।
पुरुराजः – एष भारतवीरोऽपि यवनराजम् अभिवादयते ।
अलक्षेन्द्रः – (साक्षेपम्) अहो ! बन्धनगतः अपि आत्मानं वीर इति मन्यसे पुरुराज ?
पुरुराजः – यवनराज ! सिंहस्तु सिंह एव, वने वा भवतु पञ्जरे वा ।
अलक्षेन्द्रः – किन्तु पञ्जरस्थः सिंहः न किमपि पराक्रमते ।
पुरुराजः – पराक्रमते, यदि अवसरं लभते ।अपि च यवनराज !

4. निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 3 = 5**

अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः ।
अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः ।।

अथवा

यथा सौम्यैकेन लोहमणिना सर्वं लोहमयं विज्ञातं स्याद्वाचारम्भणं विकारो नामधेयं लोहमित्येव सत्यम् ।

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : **1 × 3 = 3**

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधी जी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'भामाशाह' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर राजसूय यज्ञ का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आदर्श वरण' सर्ग का कथानक लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : **3 + 2 = 5**

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(iii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : **3 + 2 = 5**

(i) सूरदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) मैथिलीशरण गुप्त

7. अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। **2**

8. वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने चचेरे भाई को बधाई देते हुए पत्र लिखिए। **4**

अथवा

आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पत्र-पत्रिकाएँ नहीं मँगाई जातीं। इसकी शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) वाराणसी केषां संगमस्थली अस्ति ?

(ii) अस्माकं मुख्यं कर्त्तव्यं किम् ?

(iii) अलक्षेन्द्रः सेनापतिं किम् आदिशत् ?

(iv) भूमेः गुरुतरं किम् अस्ति ?

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **1 × 7 = 7**

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) प्रदूषण की समस्या और समाधान

(iii) कोरोना : एक वैश्विक महामारी

(iv) सड़क सुरक्षा : जीवन-रक्षा

(v) मोबाइल : वरदान या अभिशाप

नोट : आप UPBoardHub पर अपने Recent पेपर को भेज कर 10₹ प्रति पेपर Reward पा सकते हैं।